

# Living the Lotus

6  
2021

VOL. 189

## Buddhism in Everyday Life

### Founder's Reflections

### सीखने और अभ्यास के पूरक मार्ग

आज के समाज में, ऐसे बहुत से लोग हैं जिनके ज्ञान का भण्डार अचंभित करने वाला है। लेकिन कुछ बुद्धिमान जीवन की समस्याओं से भ्रमित हो जाते हैं और भावना में बहकर अस्थिर या अनिर्णय की अवस्था में आ जाते हैं। आज की “सूचना अधिभार” के संसार में, आप जितने अधिक प्रतिभाशाली होंगे, आपकी चिंताएँ उतनी ही अधिक होंगी।

हम अपने दैनिक जीवन में इतनी रोचक बातें सुनते और सीखते हैं कि हम स्वयं को काफी ज्ञानी मान लेते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि हमने वास्तव में उस ज्ञान को अपना बना लिया है। जब हम कोई दिलचस्प बात सुनते हैं, तो हम उसे तब तक समझ नहीं पाते जब तक हम उसे अमल में नहीं लाते हैं।

जैसे ही मैं कुछ सुनता हूँ और मुझे लगता है कि वह उपयोगी है, मैं वैसा ही कोशिश करता हूँ जैसे मुझे बताया गया था। जब मैं ऐसा करता हूँ, तो मैं उसे बेहतर ढंग से समझता हूँ। वह मेरा अपना बन जाता है। बौद्ध धर्म का अभ्यास करने का अर्थ है, “जैसा आपने सुना है, वैसा ही उसमें विश्वास रखें, और जैसा सिखाया गया है, उसके अनुसार अभ्यास करें।”

जितना अधिक हम सूचना समाज को विस्तृत बनाते हैं, उतना ही महत्वपूर्ण यह याद रखना है कि हम क्या मानते हैं और उसे अपने मन में दृढ़ता से जमाये रखना है। ऐसा करने और सीखने के लिए अभ्यास का पूरक मार्ग नितांत आवश्यक है।

निक्कयो निवानो, काइसो जुइकान 10 (कोसेइ प्रकाशन, 1997), पीपी. 86-87

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्कयो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निचिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एवं कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

Living the Lotus  
Vol. 189 (June 2021)

Senior Editor: Keiichi Akagawa  
Editor: Kensuke Osada  
Copy Editor: Parmita Shekhar

Living the Lotus is published monthly  
by Rishho Kosei-kai International,  
Fumon Media Center, 2-7-1 Wada,  
Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan.  
TEL: +81-3-5341-1124  
FAX: +81-3-5341-1224  
Email: living.the.lotus.rk-international  
@kosei-kai.or.jp

“लिविंग द लोटस: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ” का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।



## President's Message

### अवलोकितेश्वर का आह्वान

निचिको निवानो  
प्रेसिडेण्ट, रिशशो कोसेइ काइ

#### आप अपनी स्वयं की क्षमताओं के बारे में जागरूक रहें

पुण्डरीक सूत्र का परिवर्त-25: बोधिसत्व अवलोकितेश्वर (जिसे समन्तमुख सूत्र भी कहा जाता है), पूर्वी एशिया में अनेक लोगों के साथ लोकप्रिय हैं। हम इस देशना से शक्ति प्राप्त करते हैं, जब हम पीड़ित होते हैं। यदि हम सच्चे मन से अवलोकितेश्वर को ध्यान में रखते हैं, तो वह तुरंत हमारी आवाज का उत्तर देते हैं और हमें दुःख से मुक्त करते हैं।

यही कारण है कि अवलोकितेश्वर के अनेक अनुयायी हैं। हालाँकि, केवल यह सुनकर, ऐसा लग सकता है कि उनका अनुसरण करना केवल एक विश्वास है, हम दैवीय लाभ माँग सकते हैं और प्राप्त कर सकते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि यदि उन्हें ध्यान में रखना बुद्ध की धर्मदेशना की ओर गंभीरता से मोड़ने में उत्प्रेरक का काम कर सकता है, तो ऐसा करने को विश्वास के प्रवेश द्वार के रूप में सम्मान किया जाना चाहिए।

ऐसा कहा गया है, मैं यह भी मानता हूँ कि समन्तमुख सूत्र केवल एक देशना नहीं है, जिसे हमें केवल ध्यान में रखना है और वह हमें मुक्त करायेंगी या हमारी मदद करेगी, क्योंकि यह धर्मदेशनाओं में शामिल है और यह पुण्डरिक सूत्र की भावना से ओतप्रोत है।

इन देशनाओं में एक, अपनी क्षमताओं के बारे में जागरूक रहने का महत्व है। हर दिन, जब हम सूत्र पाठ करते हैं, तो हम इस श्लोक का पाठ करते हैं: “ध्वनि के चमत्कारिक ज्ञान की शक्ति / उन्हें सांसारिक कष्टों से मुक्त करा सकती है।” इन शब्दों के अर्थ के बारे में, संस्थापक निवानो ने कहा है, “जब आप किसी कठिनाई का सामना कर रहे हैं, उस स्थिति को बदलने की शक्ति वास्तव में अपने अन्दर से आती है। यह अविश्वसनीय आध्यात्मिक शक्ति है जो उस कठिनाई से पोषण लेने से विकसित होती है।”

इसका अर्थ यह है कि दुःख की गहराई से उठने और दुःख को पोषण में बदलकर बढ़ने की हमारी अंतर्निहित शक्ति वास्तव में, “अवलोकितेश्वर के चमत्कारिक ज्ञान की शक्ति” है।

कवि सांसेई यामाओ (1938-2001) ने कहा है कि जब हम अवलोकितेश्वर को ध्यान में रखते हैं, तो हम उस गतिशील शक्ति को ध्यान में रखते हैं, जो हमारे अंदर है। दूसरे शब्दों में, हम स्वयं ध्वनि के संरक्षक हैं, और जब हम अपनी क्षमताओं में विश्वास करते हैं - और अपने आंतरिक संरक्षक की शक्ति को ध्यान से बुलाते हैं - तो हमारे मन में आश्वासन की भावनाएँ भर जायेंगी और हमारा मन सक्रिय हो जायेगा, दोनों ही दुःख से मुक्ति के प्रतीक हैं।

### सभी लोगों को मुक्त करने की कामना

जब हम दुःख से पीड़ित होते हैं और आशा छोड़ने का मन करता है। यदि हमें अचानक पता चलता है कि कोई भी दुःख हमेशा के लिए नहीं रहता है, तो हममें साहस आ जाता है और दृढ़ रखता है। जब हम अकेलेपन की भावनाओं से तड़पते हैं और मरने का आवेग हम पर दबाव डालता है, तो हम किसी ऐसे व्यक्ति को याद करके जीने की शक्ति प्राप्त कर सकते हैं, जिसने हमें प्रेमभरी कृपादृष्टि से देखा है।

यही वह क्षण है, जब हम इस सत्य के प्रति जागृत होते हैं कि सभी चीजें अनित्य हैं और सभी चीजें अनात्म हैं - उस क्षण हमारा नया जीवन शुरू होता है। भले ही उस समय आपने इसे बुद्ध की देशना के रूप में नहीं पहचाना होगा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि आप के पास मौजूद ज्ञान शक्ति (अर्थात् चमत्कारिक ज्ञान शक्ति) के माध्यम से स्वयं को आप ऊपर उठाने में सक्षम हैं।

जब कुछ लोग वास्तव में पीड़ित होते हैं, तो वे अवलोकितेश्वर को आह्वान कर सकते हैं, "कृपया मेरी मदद करें।" बेशक, यह सब ठीक है। भले ही इस तरह का आह्वान सांसारिक लाभ के लिए है, जब तक पीड़ित लोग अवलोकितेश्वर को आह्वान करने में हृदय से सच्चे होते हैं, वह ध्वनि उनके अपने आंतरिक सम्बन्ध के साथ एक हो जाते हैं और यह उनकी अपनी अंतर्निहित शक्ति होती है।

इस अर्थ में, जैसाकि सूत्र "उपायकौशल्य सत्य है" इंगित करता है, समन्तमुख सूत्र हमें सिखाता है कि जो कोई भी कुशल साधनों (अवलोकितेश्वर की शक्तियों को ध्यान में रखते हुए) के माध्यम से अपने बुद्ध स्वभाव के बारे में जागरूक है, वह मुक्त हो सकता है और पूर्ण स्वतंत्र खुला हुआ है।

इसके अलावा, समन्तमुख सूत्र बार-बार बताता है कि कैसे बोधिसत्व अवलोकितेश्वर लोगों को पीड़ा से मुक्त करने के लिए विभिन्न तरीकों का प्रयोग करते हैं। क्या यह उपायकौशल्य का एक और रूप नहीं है, जो हमें यह अनुभव कराता है कि सभी लोगों को मुक्त करने के लिए हमारी वही कामना है, जो ध्वनि के संरक्षक अवलोकितेश्वर के रूप में है? उसे ध्यान में रखकर, यदि आप अनुभव करते हैं कि आप ध्वनि के सहस्रबाहु अवलोकितेश्वर की तरह लोगों को खुशी और मन की शांति लाना चाहते हैं, जो ऐसा करने के लिए सहस्र भुजाएँ बढ़ाते हैं, तो आप उस अभ्यास में एक कदम आगे बढ़ गये हैं, जो आपको बोधिसत्व बनाता है। समन्तमुख सूत्र हमें इसका महत्व सिखाता है।

हम सभी के पास एक बोधिसत्व है जिसका हम अनुकरण करना चाहते हैं, चाहे वह अवलोकितेश्वर हों, क्षितिघरबा, सदापरिभूत, या कोई अन्य। हम सभी का बोधिसत्व के रूप में चलने का अपना तरीका होता है। मैं अगले अंक में इसका पता लगाऊँगा, जहाँ मैं बोधिसत्व चर्याओं पर चर्चा करूँगा।

From *Kosei*, June 2021.



# समेकित त्रिविध पुण्डरीक सूत्रः प्रत्येक अध्याय का सारांश एवं मुख्य बिन्दुयें

निक्कयो निवानो

सद्धर्मपुण्डरीकसूत्र

28 परिवर्त

बोधिसत्व समन्तभद्रोत्साहन

इस अन्तिम परिवर्त में, हम सीखते हैं कि कैसे बोधिसत्व समन्तभद्र पूर्व में दूर से-बुद्ध रत्नतेजोभ्युदयदूतराज के क्षेत्र से - पुण्डरीक सूत्र को सुनने के लिए यात्रा करते हैं। वे जो सुनते हैं, उससे इतना प्रभावित होते हैं कि वे शाक्यमुनि बुद्ध को विस्तार से बताते हैं कि वे भावी पीढ़ियों की देखरेख और रक्षा कैसे करेंगे, जो धर्मदेशना को प्राप्त करते और आत्मसात कर लेते हैं।

बदले में, बुद्ध बोधिसत्व समन्तभद्र की प्रशंसा करते हैं और कहते हैं कि वे वैसे ही किसी भी व्यक्ति की देखरेख और रक्षा करेंगे, जो बोधिसत्व समन्तभद्र के समान कर्म करते हैं। इस प्रकार, यह परिवर्त दूर भविष्य तक धर्म के पतन के युग में, पुण्डरीक सूत्र का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित करता है और उनका समर्थन करता है।

## सद्धर्म का अभ्यास करने का महत्व

इस अंतिम परिवर्त में बोधिसत्व समन्तभद्र की उपस्थिति का गहरा अर्थ है। वे सत्य, एकाग्रता और अभ्यास जैसे गुणों के बोधिसत्व हैं। वे सफेद हाथी की सवारी करते हैं, जो समर्पित, दृढ़ अभ्यास का प्रतीक है, इस तथ्य को देखते हुए कि हाथी की प्रगति में कोई भी बाधा नहीं है, क्योंकि उसका विशाल शरीर लगातार आगे बढ़ता है, या नदी को पार करने में उसके पैरों को नीचे सतह तक पहुँचने में मजबूती से रोकता है।

पुण्डरीक सूत्र के प्रारंभ में, प्रमुख बोधिसत्व मंजुश्री थे, जो ज्ञान के धनी बोधिसत्व थे। मध्य भाग में, विशेष कर परिवर्त १६: तथागत का शाश्वत जीवन, में करुणा के बोधिसत्व मैत्रेय ने प्रमुख भूमिका निभायी है। इस प्रकार, सूत्र के अन्तिम परिवर्त में अभ्यास के बोधिसत्व, समन्तभद्र की उपस्थिति महत्वपूर्ण है। इसका अर्थ इस प्रकार है।

पुण्डरीक सूत्र के प्रकट आयाम में, जो लोग सूत्र की शिक्षा सुनते हैं, वे सभी चीजों की परम वास्तविकता का ज्ञान प्राप्त करते हैं। फिर, सूत्र के मूल आयाम में, वे इस सत्य के प्रति जागृत होते हैं कि सभी जीवित प्राणियों को जीवन का उपहार मिला है और शाश्वत मूल बुद्ध की करुणा से पोषित हैं। अंत में, वे अनुभव करते हैं कि जब तक वे इन देशनाओं को व्यवहार में नहीं लाते, तब तक उनकी शिक्षा व्यर्थ रहती है। यदि हम इसे समझते हैं, तो हम पूर्व ही इसका अर्थ समझ चुके हैं।





## दैनिक जीवन में चार आवश्यकताओं का अभ्यास करना

हालाँकि, इस परिवर्त में शाक्यमुनि द्वारा दिया गया एक अत्यंत महत्वपूर्ण कथन है, जिसे अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। बुद्ध का अभिवादन करने के बाद, बोधिसत्व समन्तभद्र पूछते हैं कि तथागत के परिनिर्वाण के उपरान्त कैसे अच्छे भद्रपुरुष और भद्रमहिलायें पुण्डरीक सूत्र के वास्तविक गुणों और पुण्यों को प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

शाक्यमुनि ने उत्तर दिया-- चार आवश्यकतायें हैं:

- “प्रथम--बुद्धों द्वारा संरक्षित होना,
- द्वितीय--सद्गुणों के मूल को आरोपित करना,
- तृतीय-- जागृत होने के लिए संकल्पित लोगों के समूह में सम्मिलित रहना, और
- चतुर्थ--सभी जीवित प्राणियों को मुक्त कराने की आकांक्षा रखना।”

सरल भाषा में, हम यहाँ समझ सकते हैं कि हमें पूर्ण विश्वास होना चाहिए कि हम बुद्धों के संरक्षण में हैं, अच्छे कर्मों का अभ्यास करते हैं और अपने दैनिक जीवन में अपने आप में सद्गुणों और अच्छाईयों को बढ़ावा देते हैं, ऐसे लोगों के समुदाय से जुड़ते हैं जो धर्मदेशना में विश्वास करते हैं और सभी लोगों को मुक्त करने की इच्छा से अनुप्राणित रहते हैं, हलाँकि सच्ची मुक्ति का अर्थ है सभी के साथ-साथ मुक्त होना।

शाक्यमुनि का कथन सूत्र की आवश्यक शिक्षाओं को संक्षेप में बताता है, जिसे एक तरह से कोई भी समझ सकता है। इस अध्याय में, उन लोगों को भी, जो देशनाओं की गहनता से दूर हो गए हों, यह महसूस कर सकते हैं कि वे भी इसे प्राप्त कर सकते हैं। इस अर्थ में, यह चमत्कारिक धर्म के पुण्डरीक सूत्र के लिए सबसे उपयुक्त निष्कर्ष है।

यह उस पाठ का हिंदी अनुवाद है जिसका जापानी मूल होक्के सानबुक्यो: काकु होन नो आरामासी तो योतेन (समेकित त्रिविध पुण्डरीकसूत्रः प्रत्येक परिवर्त का सारांश और मुख्य बिंदुएँ) में संस्थापक निक्क्यो निवानो के नाम प्रकाशित है, (कोसेइ प्रकाशन, 1991 (संशोधित संस्करण, 2016), पीपी.221-24.



## Director's Column

### मुझे जो जीवन मिला है, उसका अधिकतम लाभ उठाना

रेवरेन्ट केइइची आकागावा

निदेशक, रिश्शो कोसेइ काइ इन्टरनेशनल

पुण्डरीक सूत्र का परिवर्त- २५, बोधिसत्व अवलोकितेश्वर (जिसे समन्तमुखसूत्र से भी जाना जाता है), जिससे मैं एक विशेष आत्मीयता का अनुभव करता हूँ, क्योंकि इसका सम्बन्ध मेरे जन्म लेने से है।

१९६० में, मेरी माँ शायद ही इतनी मज़बूत थी कि वह मुझे, अपने तीसरे बच्चे के रूप में सुरक्षित जन्म दे सकेगी। इसलिए, उसने बोधिसत्व अवलोकितेश्वर को मदद करने के लिए श्रद्धापूर्वक विनती की। वह अक्सर मुझसे कहती थी कि प्रसव पीड़ा शुरू होने पर वह समन्तमुख सूत्र का पाठ करती थी। जैसा कि आमतौर पर उत्तरपूर्वी जापान के तोहोकू के ग्रामीण इलाकों में आधी सदी से भी पहले होता था, मेरी माँ ने एक दाई की मदद से घर पर ही बच्चे को जन्म दिया।

मैं श्वासावरोध की स्थिति में पैदा हुआ था और जन्म लेते ही रोने की प्रथम आवाज भी नहीं निकली थी। मैं पीला पड़ गया था और हिलतडुलता नहीं दिख रहा था। गाँव के एक डॉक्टर को तुरंत बुलाया गया, और उन्होंने मेरा उपचार किया, हालाँकि उन्हें मेरे बचने की बहुत कम आशा थी।

डॉक्टर और दाई के भरपूर उपचार के लिए धन्यवाद, हालाँकि, मैंने चमत्कारिक रूप से सांस लेना आरंभ कर दिया, और मैं किसी नकारात्मक प्रभाव के बच गया।

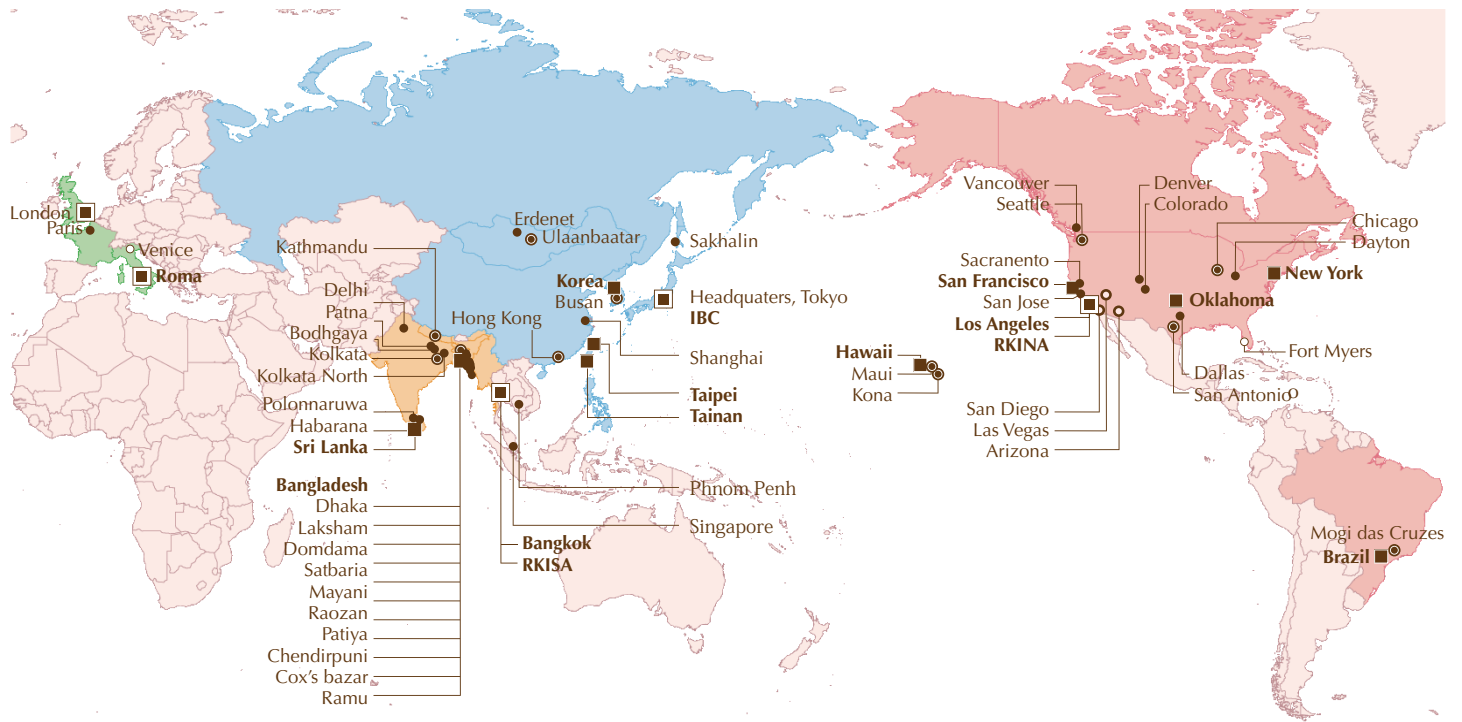
जब भी मैं समन्तमुख सूत्र का पाठ करता हूँ, मुझे अपनी माँ के प्रति कृतज्ञता का ऋण याद आता है, जिन्होंने मुझे जन्म देने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी, और कई लोग जिन्होंने मेरे जीवन को बचाने और मेरे अस्तित्व के लिए प्रार्थना करने की पूरी कोशिश की। मेरा मानना है कि कृतज्ञता के इस ऋण को चुकाने का मेरे लिए सबसे अच्छा तरीका है कि मैं स्वयं को बोधिसत्व अभ्यास के लिए समर्पित कर दूँ और संसार में अधिक से अधिक लोगों के साथ पुण्डरीक सूत्र की देशनाओं को साझा करूँ।



We welcome comments on our newsletter Living the Lotus: [living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp](mailto:living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp)



# Rissho Kosei-kai: A Global Buddhist Movement



## Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, USA  
 TEL: 1-808-455-3212 FAX: 1-808-455-4633  
 Email: sangha@rkhawaii.org URL: <http://www.rkhawaii.org>

## Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center

1809 Nani Street, Wailuku, HI 96793, USA  
 TEL: 1-808-242-6175 FAX: 1-808-244-4625

## Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center

73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, USA  
 TEL: 1-808-325-0015 FAX: 1-808-333-5537

## Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, USA  
 POBox 33636, CA 90033, USA  
 TEL: 1-323-269-4741 FAX: 1-323-269-4567  
 Email: rk-la@sbcglobal.net URL: <http://www.rkina.org/losangeles.html>

Please contact Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas**

## Rissho Kosei-kai of San Francisco

1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, USA  
 POBox 778, Pacifica, CA 94044, USA  
 TEL: 1-650-359-6951 Email: [info@rksf.org](mailto:info@rksf.org)

Please contact Rissho Kosei-kai of San Francisco

- Rissho Kosei-kai of Sacramento**
- Rissho Kosei-kai of San Jose**

## Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, USA  
 TEL: 1-212-867-5677 Email: [rky39@gmail.com](mailto:rky39@gmail.com) URL: <http://rk-ny.org>

## Rissho Kosei-kai of Chicago

1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, USA  
 TEL: 1-773-842-5654  
 Email: [murakami4838@aol.com](mailto:murakami4838@aol.com) URL: <http://rkchi.org>

## Rissho Kosei-kai of Fort Myers

URL: <http://www.rkftmyersbuddhism.org>

## Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

2745 N.W. 40th St., Oklahoma City, OK 73112, USA  
 POBox 57138, Oklahoma City, OK 73157, USA  
 TEL: 1-405-943-5030 FAX: 1-405-943-5303  
 Email: [rkokdc@gmail.com](mailto:rkokdc@gmail.com) URL: <http://www.rkok-dharmacenter.org>

## Rissho Kosei-kai Dharma Center of Denver

1255 Galapago St. #809 Denver, CO 80204, USA  
 TEL: 1-303-446-0792

## Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton

617 Kling Drive, Dayton, OH 45419, USA  
 URL: <http://www.rkina-dayton.com>

## The Buddhist Center Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

2707 East First St., Suite #1, Los Angeles, CA 90033, USA  
 TEL: 1-323-262-4430 FAX: 1-323-269-4567  
 Email: [dharmasa@rksabuddhistcenter.org](mailto:dharmasa@rksabuddhistcenter.org)  
 URL: <http://rksabuddhistcenter.org>

## Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio

(Address) 6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, USA  
 (Mail) POBox 692148, San Antonio, TX 78249, USA  
 TEL: 1-210-558-4430 FAX: 1-210-696-7745  
 Email: [dharmasanantonio@gmail.com](mailto:dharmasanantonio@gmail.com)  
 URL: <http://www.rkina.org/sanantonio.html>

## Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center

28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, USA  
 TEL: 1-253-945-0024 Email: [rkseattlewashington@gmail.com](mailto:rkseattlewashington@gmail.com)  
 URL: <http://buddhistlearningcenter.org>

## Rissho Kosei-kai of Vancouver

Please contact RKINA

## Rissho Kosei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP, CEP 04116-060, Brasil  
 TEL: 55-11-5549-4446, 55-11-5573-8377  
 Email: [risho@rkk.org.br](mailto:risho@rkk.org.br) URL: <http://www.rkk.org.br>

**Risho Kosei-kai de Mogi das Cruzes**

Av. Ipiranga 1575-Ap 1, Mogi das Cruzes-SP, CEP 08730-000, Brasil

**在家佛教韓國立正佼成會**

〒 04420 大韓民國 SEOUL 特別市龍山區漢南大路 8 路 6-3  
6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea  
TEL: 82-2-796-5571 FAX: 82-2-796-1696

**在家佛教韓國立正佼成會釜山支部**

〒 48460 大韓民國釜山廣域市南區水營路 174, 3F  
3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea  
TEL: 82-51-643-5571 FAX: 82-51-643-5572

**社團法人在家佛教立正佼成會**

台灣台北市中正區衡陽路 10 號富群資訊大廈 4 樓  
4F, No. 10, Hengyang Road, Jhongheng District, Taipei City 100, Taiwan  
TEL: 886-2-2381-1632, 886-2-2381-1633 FAX: 886-2-2331-3433

**台南市在家佛教立正佼成會**

台灣台南市東區崇明 23 街 45 號  
No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan  
TEL: 886-6-289-1478 FAX: 886-6-289-1488  
Email: koseikaitainan@gmail.com

**Rissho Kosei-kai South Asia Division**

Thai Rissho Friendship Foundation  
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand  
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

**Rissho Kosei-kai of Kathmandu**

Ward No. 3, Jhamsikhel, Sanepa-1, Lalitpur, Kathmandu, Nepal

**Rissho Kosei-kai of Kolkata**

E-243 B. P. Township, P. O. Panchasayar, Kolkata 700094, India

**Rissho Kosei-kai of Kolkata North**

AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,  
West Bengal, India

**Rissho Kosei-kai of Bodhgaya Dharma Center**

Ambedkar Nagar, West Police Line Road, Rumpur, Gaya-823001,  
Bihar, India

**Rissho Kosei-kai of Patna Dharma Center**

Please contact Rissho Kosei-kai of Kolkata

**Rissho Kosei-kai of Central Delhi**

77 Basement D.D.A. Site No. 1, New Rajinder Nagar,  
New Delhi 110060, India

**Rissho Kosei-kai of Singapore**

Please contact Rissho Kosei-kai International

**Rissho Kosei-kai of Phnom Penh**

W.C. 73, Toul Sampaov Village, Sangkat Toul Sangke, Khan Reouseykeo,  
Phnom Penh, Cambodia

**RKISA Rissho Kosei-kai International of South Asia**

Thai Rissho Friendship Foundation  
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand  
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

**Rissho Kosei-kai of Bangkok**

Thai Rissho Friendship Foundation  
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand  
TEL: 66-2-716-8216 FAX: 66-2-716-8218 Email: info.thairissho@gmail.com

**Rissho Kosei Dhamma Foundation**

No. 628-A, Station Road, Hunupitiya, Wattala, Sri Lanka  
TEL: 94-11-2982406 FAX: 94-11-2982405

**Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa**

Please contact Rissho Kosei Dhamma Foundation

**Rissho Kosei-kai Bangladesh**

85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh  
TEL: 880-2-41360470

**Rissho Kosei-kai Mayani**

Mayani Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Damdama**

Damdama Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Satbaria**

Village: Satbaria Bepari Para, Chandanaih, Chittagong, Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Chendhirpuni**

Village: Chendhirpuni, P.O.: Adhunogar, P.S.: Lohagara, Chittagong,  
Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Raozan**

Dakkhin Para, Ramzan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Laksham**

Village: Dhupchor, Laksham, Comilla, Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Dhaka**

408/8 DOSH, Road No 7 (West), Baridhara, Dhaka, Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Cox's Bazar**

Ume Burmize Market, Tekpara, Sadar, Cox's Bazar, Bangladesh

Please contact Rissho Kosei-kai Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Patiya****Rissho Kosei-kai Ramu****Rissho Kosei-kai Aburkhiln****Buddiyskiy khram "Lotos"**

4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk 693005, Russia  
TEL: 7-4242-77-05-14

**Rissho Kosei-kai of Hong Kong**

Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road, North Point, Hong Kong, China

**Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai****Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar**

(Address) 15F Express Tower, Peace avenue, khoro-1, Chingeltei district,  
Ulaanbaatar 15160, Mongolia  
(Mail) POBox 1364, Ulaanbaatar-15160, Mongolia  
TEL: 976-70006960 Email: rkkmongolia@yahoo.co.jp

**Rissho Kosei-kai of Erdenet**

Please contact Rissho Kosei-kai International

**Rissho Kosei-kai di Roma**

Via Torino, 29, 00184 Roma, Italia  
TEL/FAX: 39-06-48913949 Email: roma@rk-euro.org

Please contact Rissho Kosei-kai di Rome

**Rissho Kosei-kai of Paris****Rissho Kosei-kai of Venezia****Rissho Kosei-kai of the UK**

29 Ashbourne Road, London W5 3ED, UK  
TEL: 44-20-8933-3247 Email: info@rkuk.org URL: <https://www.rkuk.org>  
Facebook: <https://www.facebook.com/rkuk.official>  
Twitter: [https://twitter.com/rkuk\\_official](https://twitter.com/rkuk_official)  
Instagram: [https://www.instagram.com/rkuk\\_official](https://www.instagram.com/rkuk_official)

**Rissho Kosei-kai International Buddhist Congregation (IBC)**

166-8537 東京都杉並区和田 2-7-1 普門メディアセンター 3F  
Fumon Media Center 3F, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan  
TEL: 03-5341-1230 FAX: 03-5341-1224 URL: <http://www.ibt-rk.org>